॥ श्री ॥

# रहस्यपूर्ण चिट्ठी

RAHASYAPURNA CHITTHI

**पं. टोडरमल** · १८वीं शती · अभिलेख ८८/९०

पं. टोडरमल

## संक्षिप्त परिचय

पं. टोडरमलजी द्वारा मुल्तान के जिज्ञासु साधर्मियों को लिखा गया आध्यात्मिक पत्र — कुछ ही पृष्ठों में द्रव्यदृष्टि का सम्पूर्ण रहस्य; 'गागर में सागर' की उक्ति इस पर चरितार्थ होती है।

— सम्पादकीय परिचय; नीचे की तालिका-सामग्री मूल स्रोतों से अक्षरशः है। · Editorial summary; all list data is verbatim from the sources.

## अभिलेख-विवरण

रहस्यपूर्ण चिट्ठी — दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के ९० प्रमुख प्राचीन ग्रन्थों की कालानुक्रमिक सूची में क्रमांक ८८ पर अंकित ग्रन्थ है। रचयिता पं. टोडरमल; रचना-काल १८वीं शती (लगभग)। इसी लेखनी से मोक्षमार्गप्रकाशक भी इस सूची में सम्मिलित है। समकालीन ग्रन्थों में गोम्मटसार पूजा-टीका परिगणित हैं।

इसी लेखनी से

मोक्षमार्गप्रकाशक

समकालीन ग्रन्थ

गोम्मटसार पूजा-टीका

सम्पूर्ण ग्रन्थ पढ़ें

जैन ग्रन्थ लाइब्रेरी ↗ | जैनकोश ↗ | Archive.org ↗

बाह्य ग्रन्थालयों में खोज — नई टैब में खुलेगी

प्रमाण: ९०-ग्रन्थ सूची-पोस्टर, पंक्ति ८८ — मूल छायाचित्र

← मोक्षमार्गप्रकाशक

गोम्मटसार पूजा-टीका →